

SAMPLE CONTENT



SSC

बोर्ड प्र९नपेढी उत्तरांसहित

महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषदेने
इयत्ता दहावीच्या परीक्षेकरता तयार केलेल्या प्रश्नपेढीवर आधारित



इयत्ता दहावी : मराठी / सेमी इंग्रजी माध्यम

मराठी(HL) | इंग्रजी(LL) | सामाजिक शास्त्रे

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषदेने मार्च २०२१ च्या
इयत्ता दहावीच्या परीक्षेकरता तयार केलेल्या प्रश्नपेढीवर आधारित

SSC

बोर्ड प्रश्नपेढी

उत्तरांसहित

(मराठी / सेमी इंग्रजी माध्यम)

ठळक वैशिष्ट्ये

- बोर्डाच्या इयत्ता दहावीच्या प्रश्नपेढीतील सर्व प्रश्नांची उत्तरे समाविष्ट
- इंग्रजी, मराठी, सामाजिक शास्त्रे (इतिहास व राज्यशास्त्र, भूगोल) हे विषय समाविष्ट
- सर्व प्रश्नांची उत्तरे शासनाच्या पाठ्यपुस्तकांवर आणि गुणदान पद्धतीवर आधारित
- शैक्षणिक वर्ष २०२१-२२ साठी वगळण्यात आलेल्या अभ्यासक्रमावरील प्रश्न  या चिन्हाने चिन्हांकित

Printed at: **Repro India Ltd.**, Mumbai

© Target Publications Pvt. Ltd.

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

प्रस्तावना

मार्च २०२१ मध्ये बोडीने इयत्ता दहावीच्या विद्यार्थ्यांसाठी एक प्रश्नपेढी प्रकाशित केली. कोट्हिड-१९ च्या साथीमुळे आणि त्यावेळी असलेल्या निर्बंधांमुळे विद्यार्थ्यांच्या शिक्षणावर प्रतिकूल परिणाम झाला. अशा परिस्थितीत विद्यार्थ्यांसाठी ही प्रश्नपेढी नवकीच दिलासा देणारी होती. कोट्हिड-१९ च्या समस्येमुळे मार्च २०२१ ची बोर्डाची परीक्षा रद्द झाली; मात्र असे असले, तरी बोडीने तयार केलेली ही प्रश्नपेढी २०२२ मार्च तसेच यापुढे होणाऱ्या सर्वच बोर्डाच्या परीक्षांसाठी विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शक ठरणार आहे.

या प्रश्नपेढीतील सर्व प्रश्नांची उत्तरे विद्यार्थ्यांना उपलब्ध व्हावीत व त्यांच्या सरावाला योग्य दिशा मिळावी या दृष्टीने टार्गेट प्रकाशनाचे **SSC बोर्ड प्रश्नपेढी (उत्तरांसहित)** हे पुस्तक आम्ही विद्यार्थ्यांसाठी घेऊन आलो आहोत.

या पुस्तकामध्ये इंग्रजी, मराठी आणि सामाजिक शास्त्रे (इतिहास व राज्यशास्त्र, भूगोल) या विषयांवर आधारित प्रश्नपेढीतील सर्व प्रश्नांच्या उत्तरांचा समावेश आहे. प्रश्नांचा ओघ प्रश्नपेढीतील ओघाशी मिळताजुळता आहे. म्हणजेच इंग्रजी आणि मराठीसाठी कृतिपत्रिका आराखड्यातील विभागांनुसार प्रश्न देण्यात आले आहेत. इतिहास व राज्यशास्त्र या विषयांमध्ये पाठांनुसार प्रश्न देण्यात आले आहेत, तर भूगोल या विषयामध्ये प्रश्नप्रकारांनुसार प्रश्न देण्यात आले आहेत.

शैक्षणिक वर्ष २०२१-२२ साठी वगळण्यात आलेल्या अभ्यासक्रमावर आधारित असणाऱ्या प्रश्नांना  या चिन्हाने चिन्हांकित करण्यात आले आहे.

या पुस्तकातील सर्व उत्तरे पूर्णपणे शासनाच्या पाठ्यपुस्तकांवर आधारित आहेत. काही ठिकाणी आकलन सुलभ व्हावे या दृष्टीने उत्तरे सोपी करण्यात आली आहेत किंवा बदलण्यात आली आहेत. तसेच ही उत्तरे बोर्डाच्या गुणदान पद्धतीनुसार तयार करण्यात आलेली आहेत. यामुळे, विद्यार्थ्यांना उत्तम गुण मिळवणे शक्य होईल.

हे पुस्तक बोर्डाची प्रश्नपेढी सोडवण्यासाठी उत्तम मार्गदर्शक ठरेल असा आम्हांला विश्वास वाटतो.

हे पुस्तक परिपूर्ण करण्यासाठी आम्ही सर्वतोपरी प्रयत्न केले आहेत, तरी पुस्तक अधिकाधिक उत्कृष्ट व्हावे, यासाठी आपल्या सूचना स्वागतार्ह आहेत. याकरता आपला अभिग्राय mail@targetpublications.org या इ-मेल पत्त्यावर पाठवावा ही नम्र विनंती.

धन्यवाद!

ज्ञानार्थीना मनःपूर्वक शुभेच्छा!

प्रकाशक

आवृत्ती: प्रथम

Disclaimer

This reference book is transformative work based on X std. textbooks of 'SSC बोर्ड प्रश्नपेढी (२०२०-२०२१)' इंग्रजी (My English Coursebook), मराठी (कुमारभारती), इतिहास व राज्यशास्त्र, भूगोल released by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

| पाठ क्र. / प्रश्न क्र. | विषय | पृष्ठ क्र. |
|------------------------|-----------------------------------|------------|
| | My English Course Book | |
| SET – 1 | Section I (Language Study) | 1 |
| | Section II (Textual Passages) | 2 |
| | Section III (Poetry) | 4 |
| | Section IV (Non-textual Passages) | 5 |
| | Section V (Writing skill) | 7 |
| | Section VI (Skill development) | 12 |
| SET – 2 | Section I (Language Study) | 13 |
| | Section II (Textual Passages) | 14 |
| | Section III (Poetry) | 16 |
| | Section IV (Non-textual Passages) | 18 |
| | Section V (Writing skill) | 20 |
| | Section VI (Skill development) | 25 |
| | मराठी कुमारभारती | |
| | विभाग १ - गद्य | |
| २ | बोलतो मराठी | 26 |
| ३ | आजी कुटुंबाचं आगळ | 29 |
| ७ | गवताचे पाते | 33 |
| ८ | वाट पाहताना | 35 |
| १० | आपांचे पत्र | 38 |
| ११ | गोष्ट अरुणिमाची | 41 |
| १३ | कर्ते सुधारक कर्वे | 45 |
| २० | सर्व विश्वचि व्हावे सुखी | 48 |
| | अपठित गद्य | 51 |
| | विभाग २ - पद्य | |
| ४ | उत्तमलक्षण | 53 |
| ६ | वस्तू | 55 |
| ९ | आश्वासक चित्र | 59 |
| १२ | भरतवाक्य | 63 |
| १५ | खोद आणखी थोडेसे | 67 |
| १६ | आकाशी झेप घे रे | 70 |
| १९ | तू झालास मूक समाजाचा नायक | 73 |
| | विभाग ३ - स्थूलवाचन | |
| | बालसाहित्यिका: गिरिजा कोर | 77 |
| | वीरांगना | 79 |
| | व्युत्पत्ती कोश | 83 |
| | विभाग ४ - भाषाभ्यास | |
| | विभाग ५ - उपयोजित लेखन | |
| | पत्रलेखन | 101 |
| | सारांशलेखन | 111 |
| | जाहिरात लेखन | 112 |
| | बातमी लेखन | 115 |
| | कथालेखन | 117 |
| | निबध्दलेखन | 127 |

अनुक्रमणिका

| पाठ क्र. / प्रश्न क्र. | विषय | पृष्ठ क्र. |
|------------------------|---|------------|
| | इतिहास व राज्यशास्त्र | |
| | इतिहास | |
| १ | इतिहासलेखन: पाश्चात्य परंपरा | 138 |
| २ | इतिहासलेखन: भारतीय परंपरा | 143 |
| ३ | उपयोजित इतिहास | 149 |
| ५ | प्रसारमाध्यमे आणि इतिहास | 155 |
| ७ | खेळ आणि इतिहास | 161 |
| ८ | पर्यटन आणि इतिहास | 164 |
| ९ | ऐतिहासिक ठेव्यांचे जतन | 169 |
| | राज्यशास्त्र | |
| १ | संविधानाची वाटचाल | 173 |
| २ | निवडणूक प्रक्रिया | 176 |
| ३ | राजकीय पक्ष | 180 |
| ४ | सामाजिक व राजकीय चळवळी | 183 |
| | भूगोल | |
| प्र.१. | अचूक पर्याय निवडून विधाने पूर्ण लिहा. | 186 |
| | अचूक गट ओळखा. | 188 |
| | अचूक सहसंबंध ओळखा व साखळी बनवा. | 189 |
| प्र.२. | वेगळा घटक ओळखा. | 190 |
| | योग्य जोड्या लावा. | 191 |
| | खालील प्रश्नांची उत्तरे सूचनेप्रमाणे क्या. | 192 |
| प्र.३. | फरक स्पष्ट करा. | 194 |
| | खालील विधाने चूक की बरोबर ते लिहा. | 201 |
| | एका वाक्यात उत्तरे लिहा. | 203 |
| | टिपा लिहा. | 205 |
| | विधानावरून प्रकार ओळखा. | 210 |
| | खालील प्रदेश कोष्टकात योग्य ठिकाणी लिहा. | 211 |
| प्र.४. | (अ) नकाशा आराखड्यात माहिती भरा व सूची तयार करा. (कोणतेही चार) | 212 |
| | (आ) खालील नकाशाचे वाचन करून त्याखालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा. (कोणतेही चार) | 217 |
| प्र.५. | भौगोलिक कारणे लिहा. | 222 |
| प्र.६. | (अ) खालील सांख्यिकीय माहितीच्या आधारे आलेख तयार करा व खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा. | 229 |
| | (आ) खालील आलेखाचे वाचन करून त्याखालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा. | 235 |
| प्र.७ | खालील प्रश्नांची सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही दोन) | 240 |

SECTION I: LANGUAGE STUDY (10 Marks)

ENGLISH ACTIVITY

Q.1. A. Do as directed (Attempt any four): [08 Marks]

i. Complete the words by using correct letters: (2)

- | | |
|-----------|-----------|
| a. slo_ly | b. fri_nd |
| c. d_nger | d. ma_ch |

- Ans:** a. slowly b. friend
c. danger d. match

ii. Put the words in alphabetical order: (2)

- a. glisten, world, courage, forgive
Ans: courage, forgive, glisten, world

- b. bus, beautiful, buy, blue
Ans: beautiful, blue, bus, buy

iii. Punctuate the following sentences: (2)

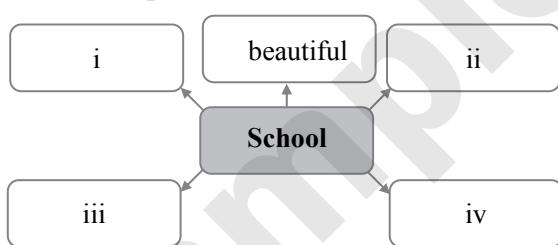
- a. lets go for a walk she said
Ans: "Let's go for a walk," she said.

- b. is that so said mrs srivastava
Ans: "Is that so?" said Mrs. Srivastava.

iv. Make four words (minimum of 3 letters each) using the letters in the word 'INTERNATIONAL' (2)

Ans: Intern, nation, national, note

v. Write the related words as shown in the example: (2)



Ans: i. spacious ii. professional
iii. excellent iv. educative

vi. Complete the word chain of 'Nouns'. Add four words, each beginning with the last letter of the previous word: (2)
World _____, _____, _____,

Ans: World, donkey, yacht, tomatoes, saddle

B. Do as directed: [02 Marks]

i. Attempt any one: (1)

- a. Make a meaningful sentence by using the phrase 'in front of'

- Ans:** A dog walked across the road in front of me.

OR

b. Add a clause to the following sentence to expand it meaningfully:

I know of a school boy

Ans: I know of a school boy who can help us.

ii. Attempt any one: (1)

a. Add a prefix or suffix to make new words:

- | | |
|-------------------------|--------------|
| 1. Dark | 2. Beauty |
| Ans: 1. Darkness | 2. Beautiful |

OR

b. Make a meaningful sentence using any one of the following words:

- | | |
|---------|-----------|
| 1. Dark | 2. Beauty |
|---------|-----------|

Ans: 1. The road leads to a **dark** tunnel.

- | |
|--|
| 2. Beauty lies in the eyes of the beholder. |
|--|

Q.2. (A) Read the following passage and complete the activities. [10 Marks]

A1. State whether the following statements are true or false. (2)

- Parents of young seagull guided his brothers and sisters in the art of flying.
- The whole family kept taunting young seagull for his cowardice.
- The young seagull mustered up courage to take that plunge.
- The young seagull was with his mother on his ledge.

The young seagull was alone on his ledge. His two brothers and his sister had already flown away the day before. He had been afraid to fly with them. Somehow when he had taken a little run forward to the brink of the ledge and attempted to flap his wings he became afraid. The great expanse of sea stretched down beneath, and it was such a long way down - miles down. He felt certain that his wings would never support him; so he bent his head and ran away back to the little hole under the ledge where he slept at night. Even when each of his brothers and his little sister, whose wings were far shorter than his own, ran to the brink, flapped their wings, and flew away, he failed to muster up courage to take that plunge which appeared to him so desperate. His father and mother had come around calling to him shrilly, upbraiding him, threatening to let him starve on his ledge unless he flew away. But for the life of him he could not move.

That was twenty-four hours ago. Since then nobody had come near him. The day before, all day long, he had watched his parents flying about with his brothers and sister, perfecting them in the art of flight, teaching them how to skim the waves and how to dive for fish. He had, in fact, seen his older brother catch his first herring and devour it, standing on a rock, while his parents circled around raising a proud cackle. And all the morning the whole family had walked about on the big plateau midway down the opposite cliff taunting him for his cowardice.

A1.

- Ans:** i. False ii. True
iii. False iv. False

A2. Describe the attempts made by the seagull to fly. (2)

Ans: The seagull had taken a little run forward to the brink of the ledge and attempted to

flap his wings. He was so disheartened that he bent his head and ran away back to the little hole under the ledge.

A3. Match the Pairs. (2)

| | A | | B |
|------|------------|----|-----------------------------|
| i. | Upbraiding | a. | A high steep face of a rock |
| ii. | Devour | b. | Utter a shrill cry |
| iii. | Cliff | c. | Scolding |
| iv. | Cackle | d. | Eat |

Ans: (i - c, ii - d, iii - a, iv - b)

A4. Do as directed. (2)

Choose the correct options for the following:

- He could not rise.

(Rewrite the sentence using ‘unable to’)

- He could unable to rise.
- He is unable to rise.
- He unable to rise.
- He was unable to rise.

Ans: D. He was unable to rise.

- He was tired and weak.

(Make it exclamatory)

- How tired and weak he was!
- How tired and weak he was.
- What tired and weak he was!
- How tired and weak was he!

Ans: A. How tired and weak he was!

A5. Personal Response (2)

What is your favourite bird? Why?

Ans: Parrot is my favourite bird. It has an unusually amazing physical appearance. Its red curved beak appears to be an emerald studded on its green plumage. It gives it a royal look. Its unique ability of imitating human voice differentiates it from all the other species of bird.

(B) Read the passage carefully and complete the activities: [10 Marks]

B1. Complete the following sentences. (2)

- Let us march from ignorance _____.
- Kailash Satyarthi says that today he sees thousands of _____.
- Close your eyes and feel _____.
- Let us universalise _____.

Q.7. Translation [05 Marks]

A. Translate the following words into your medium of instruction. (Any four) (2)

- | | |
|----------------|-----------------|
| i. beggar | ii. courage |
| iii. rule | iv. faith |
| v. reaction | vi. naughty |
| i. भिकारी | ii. धैर्य |
| iii. नियम | iv. निष्ठा |
| v. प्रतिक्रिया | vi. खोडकर/खटचाळ |

B. Translate the following sentences into your medium of instruction. (Any two) (2)

- i. Books are our real friends
 - ii. Use dustbin to throw garbage
 - iii. I like horror movies
 - iv. Give respect to elders
- Ans:** i. पुस्तके आपले खरे मित्र असतात.
ii. कचरा टाकण्यासाठी कचरापेटीचा वापर करा.
iii. मला भयपट आवडतात.
iv. वडीलधान्यांचा आदर करा.

C. Translate the following idiom/proverb into your medium of instruction. (Any one) (1)

- i. Man is the slave of his habits.
- ii. Might is right

Ans: i. माणूस स्वतःच्या सवयींचा गुलाम असतो.
ii. बळी तो कान पिळी.

कृती क्रमांक: १

प्र.१. अ./आ.उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा.
गुण (०७)

कृती १ – आकलन

कृ.१. कृती सोडवा. (०२)

- i. हिंदी भाषेतून आलेले आणि स्वयंपाकघरात घुसलेले क्रियापद -
- ii. मराठी भाषेची खास शैली -

उत्तर: i. बनवणे ii. वाक्प्रचार

परवा वर्तमानपत्रात एक विनोद आला होता.

बायको : “तुम्हांला, मी उत्तप्पा बनवू का?”

नवरा : “नको. मी माणूसच ठीक आहे. आली मोठी जादूगार!”

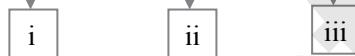
आता इथे विनोद निर्माण झाला आहे. कारण ‘बनवणे’ हे क्रियापद तिथे शोभणारे नाही. ते हल्ली हिंदी भाषेतून आपल्या स्वयंपाकघरात नको इतकं घुसलं आहे. मराठीत पोळ्या लाटणे, भाजी फोडणीस टाकणे, कढी करणे, भात रांधणे, कुकर लावणे अशा वेगवेगळ्या क्रियांसाठी वेगवेगळे शब्दप्रयोग आहेत; पण हल्ली सगळे पदार्थ फक्त ‘बनवले’ जातात. मराठीत ‘बनवणे’ म्हणजे ‘फसवणे’ असा अर्थ खरं तर रुढ आहे, त्यामुळे माणसाचं माकड आणि पुन्हा माकडाचा माणूस ‘बनवणारा’ जादूगार, विनोद करणाऱ्या नव्याला आठवला, तर आशर्चय नाही.

मराठी ढंगाचे शब्दप्रयोग ही आपल्या भाषेची श्रीमंती आहे. मराठीत ‘मारणे’ हे एक क्रियापद घेतले तर ते किती वेगवेगळ्या प्रकारे वापरले जाते, हे लक्षात घेण्याजोगे आहे. जसे, गप्पा मारणे, उड्या मारणे, थापा मारणे, टिचकी मारणे, शिट्टी मारणे, पाकीट मारणे, जेवणावर ताव मारणे, (पोहताना) हातपाय मारणे, माशया मारणे इत्यादी. ‘मारणे’ म्हणजे ‘मार देणे’ हा अर्थ यात कोठेही आलेला नाही. हीच तर भाषेची गंभीर असते. शब्दप्रयोगप्रमाणे वाक्प्रचार हीदेखील भाषेची खास शैली असते.

कृती २ – आकलन

कृ.१. आकृतिबंध पूर्ण करा. (०२)

भाषा वापरताना अर्थाचा अनर्थ टाळण्यासाठी
आवश्यक उपाय



- उत्तर: i. शब्दकोशाचा वापर करण्याची सवय लावणे.
ii. क्रियापद वापरताना नामाला योग्य प्रत्यय लावणे.
iii. वाक्यात योग्य अर्थाचे क्रियापद वापरणे.

[टीप: वरील कृतीचे उत्तर उताऱ्यात आलेले नसून ते पाठातील आहे.]

कृती ३ – स्वमत

कृ.१. ‘तुम्ही शाहाणे आहात’ या वाक्यातील ‘शाहाणे’ या शब्दाच्या अर्थछटा लिहा. (०३)

उत्तर: ‘शाहाणे’ या शब्दातून दोन अर्थछटा निर्माण होतात. त्यातून सुऱ्या, समजूतदार असा एक अर्थ, तर ‘अतिशहाणा’ हा दुसरा अर्थ व्यक्त होतो. आपल्या बुद्धीचा योग्य वापर करत सारासार विचार करणाऱ्या व्यक्तीकरता ‘शाहाणे’ असा शब्दप्रयोग केला जातो, तर स्वतःला हुशार समजून बढाई मारणाऱ्या किंवा स्वभावाने आगाऊ असलेल्या व्यक्तीला ‘अतिशहाणा’ असे म्हटले जाते. म्हणजेच, पहिल्या अर्थछटेत गुण, तर दुसर्या अर्थछटेत दुर्गुण अशा अर्थाने हा शब्द वापरला जातो.

उदा. चांगले वागणाऱ्या, चांगले काम करणाऱ्या मुलाबद्दल बोलताना आई ‘माझा बाळ शाहाणा आहे’ असे म्हणते. आगाऊपणे वागणाऱ्या मनुष्यास ‘शाहाणा झालास का रे?’ किंवा ‘तो जरा अतिशहाणाच आहे’ असे म्हटले जाते. अशाप्रकारे, ‘शाहाणे’ या एकाच शब्दातून वेगवेगळ्या अर्थछटा निर्माण होतात.

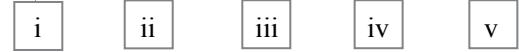
कृती क्रमांक: २

कृती १ – आकलन

प्र.१. अ./आ.उताऱ्याच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा.
गुण (०७)

कृ.१. आकृती पूर्ण करा. (०२)

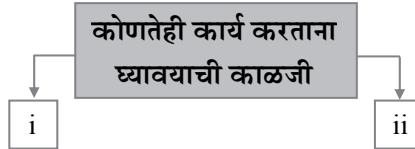
शब्दांची व्युत्पत्ती शोधण्याचे फायदे



प्र.२. अ. कवितेच्या आधारे सूचनेनुसार कृती करा.
गुण (०८)

कृती १ – आकलन

कृ १. कोष्टक पूर्ण करा. (०२)



उत्तर: i. आळसात सुख मानू नये.
ii. विचार करून कार्य करावे

श्रोतीं व्हावें सावधान। आतां सांगतो उत्तम गुण।

जेणे करितां बाणे खुण। सर्वज्ञपणाची ॥१॥

वाट पुस्त्याविण जाऊं नये। फळ ओळखिल्याविण खाऊं नये।
पडिली वस्तु घेऊं नये। येकायेकीं ॥२॥

जनी आर्जव तोडूं नये। पापद्रव्य जोडूं नये।
पुण्यमार्ग सोडूं नये। कदाकाळीं ॥३॥

तोंडाळासीं भांडों नये। वाचाळासीं तंडों नये।
संतसंग खंडूं नये। अंतर्यामीं ॥४॥

आळसे सुख मानू नये। चाहाडी मनास आणू नये।
शोधिल्याविण करूं नये। कार्य कांही ॥५॥

सभेमध्ये लाजों नये। बाळकल्पणे बोलों नये।
पैज होड घालूं नये। कांहीं केल्या ॥६॥

कोणाचा उपकार घेऊं नये। घेतला तरी राखों नये।
परपीडा करूं नये। विश्वासघात ॥७॥

व्यापकपण सांडूं नये। पराधेन होऊं नये।
आपले वोझे घालूं नये। कोणीयेकासी ॥८॥

सत्यमार्ग सांडूं नये। असत्य पंथे जाऊं नये।
कदा अभिमान घेऊं नये। असत्याचा ॥९॥

अपकीर्ति ते सांडावी। सत्कीर्ति वाडवावी।
विवेके दृढ धरावी। वाट सत्याची ॥१०॥

कृती २ – आकलन

कृ १. खालील गोष्टीबाबत कोणती दक्षता घ्यावी ते लिहा. (०२)

| क्र. | गोष्टी | उत्तर | दक्षता |
|------|--------------|-------|-----------|
| i. | आळस | ----- | मानू नये. |
| ii. | परपीडा | ----- | वागू नये. |
| iii. | सत्यमार्ग | ----- | नये. |
| iv. | सभेतील वर्तन | ----- | नये. |

उत्तर:

| क्र. | गोष्टी | उत्तर | दक्षता |
|------|--------------|--------------|-----------|
| i. | आळस | सुख | मानू नये. |
| ii. | परपीडा | विश्वासघातकी | वागू नये. |
| iii. | सत्यमार्ग | सोडू | नये. |
| iv. | सभेतील वर्तन | लाजू | नये. |

कृती ३ – सरळ अर्थ

कृ १. खालील काव्यपंक्तींचा सरळ अर्थ लिहा. (०२)

सत्यमार्ग सांडूं नये। असत्य पंथे जाऊं नये।

कदा अभिमान घेऊं नये। असत्याचा।

उत्तर: सत्याचा मार्ग कधीही सोडू नये, असत्याच्या वाटेवर कधीही
जाऊ नये व खोटेपणाचा अभिमानही कधी बाळगू नये.

कृती ४ – काव्यसौंदर्य

कृ १. खालील काव्यपंक्तींतील विचारसौंदर्य स्पष्ट करा.

(०२)

तोंडाळासी भांडो नये। वाचाळासीं तंडों नये।

संतसंग खंडूं नये। अंतर्यामीं।

उत्तर: 'उत्तमलक्षण' या श्रीदासबोधातील उपदेशापर रचनेतून संत
रामदासांनी आदर्श व्यक्तीची लक्षणे सांगितली आहेत. तिने
कोणत्या गोष्टी कराव्यात व कोणत्या गोष्टी टाळाव्यात
याचा खुलासा केला आहे.

भांडखोर व्यक्तीशी भांडायला जाऊ नये. सतत
बडबड करणाऱ्या व्यक्तीशी वाद घालत बसू नये, कारण या
दोन्ही प्रकारच्या व्यक्ती समोरच्याचे बोलणे ऐकून न घेता



स्वतःचेच म्हणणे खरे करणाऱ्यांपैकी असतात. त्यांच्याशी बोलणे म्हणजे आपला वेळ, आपली शक्ती वाया घालवल्यासारखे होईल. त्यामुळे, अशांचा संगच टाळावा; परंतु संतांच्या संगतीत अखेंड रमावे. मनापासून त्यांच्या सहवासाचा, सानिध्याचा लाभ घ्यावा, कारण त्यांच्या संगतीत राहून आपणही सज्जन बनतो, असा संदेश वरील काव्यपंक्तीतून कवी व्यक्त करतात.

- प्र.२. आ. खालील मुद्द्यांच्या आधारे कोणत्याही एका कवितेसंबंधी कृती सोडवा. गुण (०४) भरतवाक्य**

- i. प्रस्तुत कवितेच्या कवीचे/ कवयित्रीचे नाव लिहा. (०१)

उत्तर: कवी - मोरोपंत

- ii. प्रस्तुत कवितेतून मिळणारा संदेश. (०१)

उत्तर: 'भरतवाक्य' या रचनेतून कवी मोरोपंत आपल्याला चांगल्या माणसांच्या संगतीचे व सद्विचारांच्या श्रवणाचे महत्त्व सांगत आहेत. आपण नेहमी सज्जन व्यक्ती, सत्कर्म, सद्विचारांच्या सानिध्यात रमावे, आत्मबोध करून घ्यावा, खोटा अहंकार त्यागावा, मोहाला बळी पडू नये असे आवाहन ते आपल्याला करतात. परमेश्वराच्या नामस्मरणात नेहमी तल्लीन राहावे अशी शिकवण ते देतात.

- iii. कविता आवडण्याची किंवा न आवडण्याची कारणे लिहा. (०२)

उत्तर: मोरोपंतांची ही काव्यरचना सज्जन माणसांच्या सहवासाचे व चांगल्या विचारांच्या श्रवणाचे महत्त्व सहज पटवून देते. कवितेत ओघवती, रसपूर्ण व सहजसेपी भाषा वापरल्यामुळे ही कविता श्लोकांसारखी गाता येते. 'भरतवाक्य' म्हणजे नाटकातील शेवटचे वाक्य. यांचा संदर्भ घेऊनच 'केकावली' मधील शेवटची पद्यरचना म्हणून मोरोपंतांनी या रचनेला 'भरतवाक्य' हे समर्पक नाव दिले असावे. मोरोपंतांनी या रचनेला संस्कृतप्रचुर शब्दांनी, अलंकारांनी सजवले आहे. 'सुसंगति सदा घडो; सुजनवाक्य कानी पडो' ही रचनेची पहिली ओळ 'सुभाषित' म्हणून लोकप्रिय आहे. मोरोपंतांनी स्वतःला मोर कल्पून, इश्वराला जी आळवणी केली, तिला 'केकावली' म्हटले गेले हा संदर्भही फार मनोरंजक आहे. या सर्व कारणांमुळे मला ही कविता फार आवडते.

किंवा

उत्तमलक्षण

- i. प्रस्तुत कवितेच्या कवीचे/ कवयित्रीचे नाव लिहा. (०१)

उत्तर: कवी - संत रामदास

- ii. प्रस्तुत कवितेतून मिळणारा संदेश. (०१)

उत्तर: सर्वज्ञपणा अंगी यावा याकरता समर्थ रामदासांनी 'उत्तमलक्षण' या रचनेत सर्वसामान्य लोकांना आदर्श व्यक्तीची लक्षणे सांगितली आहेत. आदर्श व्यक्तीने सामाजिक व वैयक्तिक जीवनात कसे वागवे व कसे वागू नये, काय करावे व काय करू नये, याचे मार्गदर्शन या रचनेतून ते करतात.

- iii. कविता आवडण्याची किंवा न आवडण्याची कारणे लिहा. (०२)

उत्तर: 'उत्तमलक्षण' या कवितेत संत रामदास यांनी आदर्शत्वाची संकल्पना स्पष्ट केली आहे. 'काय करावे' व 'काय करू नये' यांबाबतचे त्यांचे मार्गदर्शन मला विशेष आवडले. परपीडा, उपकार यांसारख्या उपसर्गघटित, तर सत्यमार्ग यांसारख्या सामासिक शब्दांचा वापर केल्यामुळे मराठी भाषेची समृद्धी या कवितेतून जाणवते. प्रत्येक ओवीच्या पहिल्या तीन चरणांत 'नये' या शब्दाची पुनरावृत्ती होऊन यमक साधले आहे. यामुळे, कविता नादमय झाली आहे. तसेच, ही कविता आपल्याला जीवन कसे जगावे याचा आदर्शच घालून देते. या सर्व वैशिष्ट्यांमुळे मला ही कविता खूप आवडते.

- प्र.२. इ. खाली दिलेल्या काव्यपंक्तींचे रसग्रहण करा. (०४)

अपकीर्ति ते सांडावी। सत्कीर्ति वाडवावी।

विवेके दृढ धरावी। वाट सत्याची।

उत्तर: 'उत्तमलक्षण' या श्रीदासबोधातील उपदेशपर रचनेतून संत रामदासानी आदर्श व्यक्तीची लक्षणे सांगितली आहेत. तिने कोणत्या गोष्टी कराव्यात व कोणत्या गोष्टी टाळाव्यात याचा खुलासा यातून केला आहे.

माणसाने नेहमी स्वतःच्या प्रतिमेस जपावे. स्वतःची अपकीर्ति पसरेल असे वर्तन कधीही करू नये. नेहमी चांगले कर्म करून स्वतःची कीर्ती वाढवावी. अशाप्रकारे, माणसाने आपल्या योग्य वर्तनातून स्वतःचा उत्कर्ष साधावा, असा आशय प्रस्तुत काव्यपंक्तीतून व्यक्त होतो.

प्रस्तुत रचना संतकाव्य आहे. हे उपदेशपर काव्य आहे. यातून शांतरसाचा अनुभव मिळतो. प्रस्तुत काव्यपंक्तीत विरुद्धार्थी शब्दांची योजना केलेली आहे. त्यामुळे, काव्यसौदर्यात भर पडली आहे. उदा. अपकीर्ति - सत्कीर्ति. ही साडेतीन चरणांची ओवी आहे. पहिल्या तीन चरणांमध्ये 'वी' या अक्षराची पुनरावृत्ती होऊन कविता नादमय झाली आहे. 'व' या अक्षराच्या पुनरावृत्तीने अनुप्रास अलंकार साधला आहे. रामदासकालीन मराठी भाषेचा गोडवा व आंतरिक लय यांमुळे ही रचना वैशिष्ट्यपूर्ण झाली आहे.

बालसाहित्यिका - गिरिजा कीर

-डॉ. विजया वाड

कृती क्रमांक:१

प्र.३. खालीलपैकी कोणत्याही दोन कृती सोडवा.

गुण (०६)

कृ १. गिरिजा कीर यांच्या 'यडबंबू ढब्बू' या बालकादंबरीचे कथानक थोडक्यात सांगून त्यातील गंभत सांगा. (०३)

उत्तर: 'बालसाहित्यिका – गिरिजा कीर' या पाठात लेखिका डॉ. विजया वाड यांनी गिरिजा कीर यांच्या बालसाहित्याची रसास्वादाच्या अंगाने ओळख करून दिली आहे.

'यडबंबू ढब्बू' ही गिरिजा कीर यांची मनोरंजक बालकादंबरी आहे. या बालकादंबरीतील ढब्बू हे पात्र आईला उगाच त्रास न देणारे, आईचे आवडते व्हावे या प्रयत्नात असणारे असे पात्र आहे. होते असे, की ताईचा साखरपुडा असल्याने घरी बनवलेली मिठाई काही गरीब मुले मागू लागतात. सुरुवातीस ढब्बू नकार देतो; परंतु आई ढब्बूला त्या गरीब मुलांना मिठाई देण्यास सांगते, कोणाला दुःखी ठेवू नये, सर्वावर प्रेम करावे असे सांगते. ही गोष्ट लक्षात ठेवून आईने व्याह्यांना देण्यासाठी आणलेले मिठाईचे ताट ढब्बू भिकायांना वाटून टाकतो.

या कृतीतून आईने सांगितलेल्या गोष्टीचा/संस्करांचा प्रभाव ढब्बूच्या, तसेच बालवाचकांच्याही मनावर उमटतो. अशाप्रकारे, या बालकादंबरीतील गिरिजाबाईची लेखणी विनोदाच्या माध्यमातूनही बालमनावर संस्कार कोरते.

कृ २. तुम्हांला मधूशी मैत्री करायला आवडेल का, यावर तुमचा अभिप्राय लिहा. (०३)

उत्तर: गिरिजा कीर यांच्या 'तू सावित्री हो!' या बालकथासंग्रहातील आठ कथापैकी 'गोष्ट एका माणसाची' या कथेतील 'मधू' हे परिस्थितीने गरीब असलेले पात्र आहे. त्याची आई आजारी पडल्यानंतर तिच्या उपचारासाठी पैसे मिळवण्यासाठी तो एका व्यक्तीचे पाकीट मारतो. या पाकिटात त्याना दोन हजार रुपयांबरोबर एक चिठ्ठी सापडते ज्यामुळे मधूला समजते, की आणि ज्याचे पाकीट मारले तोसुद्धा अडचणीत आहे.

मधू हा संवेदनशील मनाचा आहे. त्याच्यातील 'माणुसकी' अजूनही जिवंत आहे. त्याने केलेली कृती ही नाइलाजाने केलेली आहे. परिस्थितीची जाणीव झाल्यानंतर आपल्यासारख्याच अडचणीत सापडलेल्या व्यक्तीला त्रास होऊ नये, म्हणून त्याच्याकडे जाऊन आपल्या कृत्याची कबुली देण्याची हिंमत मधू दाखवतो.

संवेदनशील मन असलेला, सत्य बोलण्यास न घावरणारा 'माणूस' म्हणून मला मधूशी मैत्री करायला आवडेल.

कृ ३. तुमची आई आजारी पडल्यावर तुम्ही कशी काळजी घ्याल, ते तुमच्या शब्दांत लिहा. (०३)

उत्तर: आई आजारी पडली, तर घरातील सर्वच गोष्टीचे गणित बिघडते. आई आजारी असेल, तर घरातील मला शक्य होणारी छोटी-मोठी कामे करून मी तिचा भार हलका करण्याचा प्रयत्न करेन. नेहमीपेक्षा लवकर उटून घरातील केरकचरा काढणे, साफसफाई, इस्तीसाठी कपडे देणे यांसारखी कामे स्वतः करण्याचा प्रयत्न करेन. तिच्याबरोबर डॉक्टरकडे जाईन. डॉक्टरांनी सांगितलेली औषधे आणून देईन. आई औषधे वेळेवर घेते ना? हे तपासेन. तिचे डोके, पाय चेपून देईन. तिने लवकरात लवकर बरे व्हावे म्हणून मला जे शक्य असेल ते सर्व तिच्यासाठी करण्याचा मी प्रयत्न करेन.

कृती क्रमांक:२

प्र.३. खालीलपैकी कोणत्याही दोन कृती सोडवा.

गुण (०६)

कृ १. टिपा लिहा.

i. बालनाटिका

उत्तर: बालनाटिका म्हणजे बालवर्गासाठी असलेली बालनाटके. बालनाटिका हा प्रांत दुर्लक्षित आहे. गिरिजा कीर यांनी लिहिलेल्या इटुकली पिटुकली नाटुकली या संचात 'आमच्या आपल्या गप्पा टप्पा', 'चला खेळू नाटक नाटक', 'साळुंकीची कहाणी', 'ए११ गेले गेले' या बालनाटिका नऊ ते बारा या वयोगटांसाठी आहेत. गिरिजा कीर यांच्या नाटिकांमध्ये त्यांनी चमत्कार, अद्भुतरम्य गोष्टीपेक्षा बालकांच्या विश्वातील रोजच्या जिव्हाळ्याच्या प्रश्नांना बोलते केले आहे. त्यांनी बालवर्गासाठी साध्या, सोप्या, जोडाक्षरे नसलेल्या बालनाटिका लिहून नाटिका लेखनाचा पूर्णपणे दुर्लक्षित असलेला प्रांत उजेडात आणला आहे. मोजक्या पात्रांच्या माध्यमातूनच जिवंत दृश्य साकार करण्याचे आणि बालप्रेक्षकांची मने जिकण्याचे कौशल्य त्यांच्या नाटिकांमध्ये आढळते, म्हणून त्यांच्या बालनाटिका बालकांना आवडतात.

ii. साहित्यकृतींचा आस्वाद घेताना विचारात घ्यायचे मुददे.

उत्तर: 'बालसाहित्यिका – गिरिजा कीर' या पाठात लेखिका डॉ. विजया वाड यांनी गिरिजा कीर यांच्या बालसाहित्याची रसास्वादाच्या अंगाने ओळख करून दिली आहे. या पाठातून विद्यार्थ्यांना एखाद्या साहित्यकृतीकडे रसास्वादाच्या दृष्टीने पाहता यावे हा दृष्टिकोन मिळतो.



एखाद्या साहित्यकृतीतील आवडलेल्या बाबी मांडणे म्हणजे रसास्वाद होय. रसास्वाद घेताना साहित्यकृतीचा वाडमयप्रकार, व्यक्तिरेखा आणि त्यांची स्वभाववैशिष्ट्ये, त्यांतील बारकावे उलगडत नेण्याची पद्धत, कथानकाची आकर्षकता आणि उत्सुकता वाढवण्याची क्षमता या मुद्द्यांकडे लक्ष देणे आवश्यक असते.

साहित्यकृतीची आकर्षक सुरुवात व परिणामकारक शेवट, लेखकाची भाषाशैली, कथानकातील आशय, कथानकाचा विषय, त्या साहित्यकृतीचा आस्वाद घेतल्यानंतर मिळणारे चिरंतन मूल्य, संदेश, उपदेश या सर्वांचा वाचकमनावर एकत्रित परिणाम होत असतो. काव्यसंग्रह असेल, तर त्यातील कवितांचे भावसौंदर्य, विचारसौंदर्य व आशयसौंदर्य स्पष्ट करावे लागते. या सर्व बाबी रसास्वाद घेताना विचारात घ्याव्या लागतात.

iii. गिरिजाबाईच्या चरित्रातून मिळणारा संदेश.

उत्तर: 'बालसाहित्यिका – गिरिजा कीर' या पाठात लेखिका डॉ. विजया वाड यांनी गिरिजा कीर यांच्या बालसाहित्याची रसास्वादाच्या अंगाने ओळख करून दिली आहे.

गिरिजा कीर यांनी पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर, तपस्विनी अनुताई वाघ, शिक्षणब्रती ताराबाई मोडक, संत गाडगेबाबा, महात्मा जोतिबा फुले यांसारख्या महान व्यक्तिमत्त्वांची अतिशय सुंदर चरित्रे लिहिली आहेत. 'थोरांनी केलेले कार्य पुढे नेणे हेच त्यांचे खरे स्मारक' असे त्यांचे मत आहे. या चरित्रांच्या माध्यमातून त्यांनी मुलांच्या मनावर उत्तम संस्कार घडवण्याचा प्रयत्न केला आहे.

प्रत्येक चरित्रातून त्या मुलांसमोर एकेक महत्त्वाचा विचार मांडतात. एखाद्या चरित्रनायिकाचे किंवा चरित्रनायिकेचे नेमकेपणाने वर्णन करताकरता त्यातूनच त्या मुलांना एक प्रभावी संदेश देतात. त्यांच्या मनावर उत्तम संस्कार घडवतात. मुलांना सहज समजेल, आवडेल अशा सोाऱ्या; पण हृदयाला स्पर्श करण्याचा भाषेत लेखन करून त्यांनी चरित्रलेखनाला विशिष्ट उंची प्राप्त करून दिली आहे.

कृती क्रमांक: ३

प्र.३. खालीलपैकी कोणत्याही दोन कृती सोडवा.

गुण (०६)

कृ.१. 'यडबंबू ढब्बू' मधील ढब्बू तुम्हांला कसा वाटतो, यावर तुमचा अभिग्राय लिहा.

उत्तर: यडबंबू ढब्बू या बालकादंबरीतील ढब्बू हे पात्र आईला उगाच त्रास न देणारे, आईचे आवडते व्हावे या प्रयत्नात असणारे असे पात्र आहे. त्याचा स्वभाव भोळा आहे असे जाणवते. आईने

कोणाला दुःखी ठेवू नये, सर्वावर प्रेम करावे हा दिलेला सल्ला लक्षात ठेवून तो भिकाच्यांना मिठाई वाढून टाकतो. आईचे संस्कार मानताना होणाऱ्या नुकसान किंवा त्रासाचा तो विचार करत नाही. ढब्बू हे पात्र आईच्या प्रत्येक गोष्टीचा आदर करणारे पात्र असून ते आपल्याला आपल्या आजूबाजूला सहज सापडते.

कृ.२. "गोष्ट एका माणसाची" या कथेतील मधूच्या जागी तुम्ही असता तर तुम्ही कसे वागला असता, ते तुमच्या शब्दांत लिहा.

उत्तर: 'मधू' गरीब असून त्याची आई आजारी असल्यामुळे तो नाइलाजाने पाकीट मारतो. आपल्या आईच्या आजारपणावर इलाज करण्यासाठी पैसे मिळवणे हा त्याचा हेतू आहे. नंतर त्याने ज्याचे पाकीट मारले त्याची परिस्थिती वाईट असल्याचे त्याला कळते आणि तो ते पाकीट परत देण्यासाठी जातो. मी मधूच्या जागी असतो, तर पाकीट मारण्याचे किंवा चोरी करण्याचे कृत्य केलेच नसते. त्याएवजी डॉक्टरांच्या मदतीने सेवाभावी संस्थांशी संपर्क साधून त्यांच्या मदतीने आईचे ऑपरेशन करण्याचा प्रयत्न केला असता. तेही शक्य झाले नसते, तर एखादी छोटी नोकरी करून त्यातून पैसे मिळवण्याचा प्रयत्न केला असता. आपण नंतर कितीही संवेदनशीलता दाखवली तरीही अगोदर केलेली चूक ही चूकच असते असे माझे मत आहे.

कृ.३. तुम्ही वाचलेल्या बालसाहित्याबद्दल थोडक्यात माहिती लिहा.

उत्तर: आपल्या अभिनयाने रसिकमनावर राज्य करणाऱ्या दिलीप प्रभावलकर यांच्या गाजलेल्या 'बोक्या सातबंडे' या पुस्तकांच्या मालिका मी वाचल्या आहेत. बोक्या सातबंडे हा लेखकाचा मानलेला मुलगा! त्यांच्या कल्पनेतील पात्र. तो निर्मळ मनाचा नि धाडसी वृत्तीचा आहे. तो ब्रात्य आहे; पण लबाड नाही. खोडकरपणा करतो; पण खोडसाळ नाही. त्याला एकच गोष्ट समजते ती म्हणजे गरजूला मदत करणे आणि ढोंगी माणसाच्या वर्मावर घाव घालणे. प्रत्येक संकटातून आणि अग्निदिव्यातून तो ज्याप्रकारे बाहेर पडतो ते वाचताना आपणच ते अग्निदिव्य करून सहीसलामत बाहेर पडल्याची भावना निर्माण होते.

दिलीप प्रभावलकर यांच्या मिस्कील खटच्याळ लेखणीतून प्रसन्न विनोदाचा शिडकावा करणारे 'बोक्या सातबंडे' हे पुस्तक साच्यांनाच हसवते.

व्याकरण घटकांवर आधारित कृती

प्र.४. अ. व्याकरण घटकांवर आधारित कृती.

गुण (०८)

कृ १. समास.

(०२)

इयत्ता दहावीसाठी कर्मधारय समास, द्विगू समास, द्वंद्व समास १. इतरेतर द्वंद्व समास २. वैकल्पिक द्वंद्व समास ३. समाहार द्वंद्व समास

या समासांचा अभ्यास करणार आहोत.

खाली दिलेल्या सामासिक शब्दांचा आपण विग्रह व समासाचे नाव असा अभ्यास करावा.

कर्मधारय समास

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|--------|-------------|
| नीलकमल | | |
| महाराष्ट्र | | |
| भाषांतर | | |
| पांढराशुभ्र | | |
| घननीळ | | |
| शामसुंदर | | |
| कमलनयन | | |
| नरसिंह | | |
| विद्याधन | | |
| रक्तचंदन | | |
| घनश्याम | | |
| काव्यामृत | | |
| पुरुषोत्तम | | |
| महादेव | | |

उत्तर:

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|------------------|---------------|
| नीलकमल | नील असे कमल | कर्मधारय समास |
| महाराष्ट्र | महान असे राष्ट्र | कर्मधारय समास |
| भाषांतर | अन्य भाषा | कर्मधारय समास |
| पांढराशुभ्र | शुभ्र असा पांढरा | कर्मधारय समास |
| घननीळ | निळा असा घन | कर्मधारय समास |
| शामसुंदर | सुंदर असा श्याम | कर्मधारय समास |
| कमलनयन | कमळासारखे नयन | कर्मधारय समास |
| नरसिंह | सिंहासारखा नर | कर्मधारय समास |
| विद्याधन | विद्या हेच धन | कर्मधारय समास |
| रक्तचंदन | रक्तासारखे चंदन | कर्मधारय समास |
| घनश्याम | घनासारखा श्याम | कर्मधारय समास |

| काव्यामृत | काव्यरूपी अमृत | कर्मधारय समास |
|------------|-----------------|---------------|
| पुरुषोत्तम | उत्तम असा पुरुष | कर्मधारय समास |
| महादेव | महान असा देव | कर्मधारय समास |

द्विगू समास

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|--------|-------------|
| पंचारती | | |
| त्रिभुवन | | |
| नवरात्र | | |
| सप्ताह | | |
| अष्टाध्यायी | | |
| पंचपाळे | | |
| द्विदल | | |
| बारभाई | | |
| त्रैलोक्य | | |

उत्तर:

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|--------------------|-------------|
| पंचारती | पाच आरत्यांचा समूह | द्विगू समास |
| त्रिभुवन | तीन भुवनांचा समूह | द्विगू समास |
| नवरात्र | नऊ रात्रींचा समूह | द्विगू समास |
| सप्ताह | सात दिवसांचा समूह | द्विगू समास |
| अष्टाध्यायी | आठ अध्यायांचा समूह | द्विगू समास |
| पंचपाळे | पाच पाळ्यांचा समूह | द्विगू समास |
| द्विदल | दोन दलांचा समूह | द्विगू समास |
| बारभाई | बारा भावांचा समूह | द्विगू समास |
| त्रैलोक्य | तीन लोकांचा समूह | द्विगू समास |

द्वंद्व समास

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|------------------------|--------|-------------|
| १) इतरेतर द्वंद्व समास | | |
| बहिणभाऊ | | |
| आईवडील | | |
| नाकडोळे | | |
| सुंठसाखर | | |
| कृष्णार्जुन | | |
| विटीदांडू | | |
| कुलूपकिल्ली | | |
| स्त्रीपुरुष | | |



| २) वैकल्पिक द्वंद्व समास | | |
|--------------------------|--|--|
| बेरेवाईट | | |
| सत्यासत्य | | |
| चारपाच | | |
| तीनचार | | |
| खरेखोटे | | |
| ३) समाहार द्वंद्व समास | | |
| अंथरूण पांघरूण | | |
| भाजीपाला | | |
| कपडालत्ता | | |
| अन्नपाणी | | |
| पालापाचोळा | | |
| केरकचरा | | |

उत्तर:

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------------------|------------------|-----------------------|
| १) इतरेतर द्वंद्व समास | | |
| बहीणभाऊ | बहीण आणि भाऊ | इतरेतर द्वंद्व समास |
| आईवडील | आई आणि वडील | इतरेतर द्वंद्व समास |
| नाकडोळे | नाक आणि डोळे | इतरेतर द्वंद्व समास |
| सुंठसाखर | सुंठ आणि साखर | इतरेतर द्वंद्व समास |
| कृष्णार्जुन | कृष्ण आणि अर्जुन | इतरेतर द्वंद्व समास |
| विटीदांडू | विटी आणि दांडू | इतरेतर द्वंद्व समास |
| कुलूपकिल्ली | कुलूप आणि किल्ली | इतरेतर द्वंद्व समास |
| स्त्रीपुरुष | स्त्री आणि पुरुष | इतरेतर द्वंद्व समास |
| २) वैकल्पिक द्वंद्व समास | | |
| बेरेवाईट | बेरे किंवा वाईट | वैकल्पिक द्वंद्व समास |
| सत्यासत्य | सत्य किंवा असत्य | वैकल्पिक द्वंद्व समास |
| चारपाच | चार किंवा पाच | वैकल्पिक द्वंद्व समास |
| तीनचार | तीन किंवा चार | वैकल्पिक द्वंद्व समास |

| खरेखोटे | खरे किंवा खोटे | वैकल्पिक द्वंद्व समास |
|------------------------|-----------------------|-----------------------|
| ३) समाहार द्वंद्व समास | | |
| अंथरूणपांघरूण | अंथरूण, पांघरूण वगैरे | समाहार द्वंद्व समास |
| भाजीपाला | भाजी, पाला वगैरे | समाहार द्वंद्व समास |
| कपडालत्ता | कपडा, लत्ता वगैरे | समाहार द्वंद्व समास |
| अन्नपाणी | अन्न, पाणी वगैरे | समाहार द्वंद्व समास |
| पालापाचोळा | पाला, पाचोळा वगैरे | समाहार द्वंद्व समास |
| केरकचरा | केर, कचरा वगैरे | समाहार द्वंद्व समास |

कृती
१. योग्य जोड्या लावा.

| क्र. | सामासिक शब्द | समासाचे नाव |
|------|--------------|------------------------|
| i. | भाजीपाला | अ. कर्मधारय समास |
| ii. | पुरुषोत्तम | ब. इतरेतर द्वंद्व समास |
| | | क. समाहार द्वंद्व समास |

उत्तर: (i - क), (ii - अ)

२. खालील तक्ता पूर्ण करा.

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|--------|-------------|
| आईवडील | ----- | ----- |
| नवरात्र | ----- | ----- |

उत्तर:

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|-------------------|---------------------|
| आईवडील | आई आणि वडील | इतरेतर द्वंद्व समास |
| नवरात्र | नऊ रात्रींचा समूह | द्विगू समास |

३. खालील तक्ता पूर्ण करा.

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|--------|-------------|
| नरसिंह | ----- | ----- |
| तीनचार | ----- | ----- |

उत्तर:

| सामासिक शब्द | विग्रह | समासाचे नाव |
|--------------|---------------|-----------------------|
| नरसिंह | सिंहासारखा नर | कर्मधारय समास |
| तीनचार | तीन किंवा चार | वैकल्पिक द्वंद्व समास |

पत्रलेखन

प्र.५. अ. खालील कृती सोडवा.

गुण (०६)

कृ १. पत्रलेखन: खालील निवेदन वाचा व कृती सोडवा.

सुवर्ण संधी ! सुवर्ण संधी

अक्षर पुस्तकालय, राजापेठ,
अमरावती

आयोजित

“मराठी भाषा संवर्धन पंथरवडा”

अंतर्गत

“सुलेखन कार्यशाळा”

स्थळ – संत ज्ञानेश्वर सभागृह,
अमरावती

दि. १२/०२/२०२१ ते २७/०२/२०२१
वेळ – सकाळी ११ ते दु. २ पर्यंत.

किरण/किरणकुमार बेलसरे

विद्यार्थी प्रतिनिधी या नात्याने

शाळेतील वर्ग १० वी च्या
विद्यार्थ्यांना सहभागी करून
घेण्यासाठी कार्यशाळा आयोजकांना
विनंती करणारे पत्र लिहा.

किंवा

सुलेखन कार्यशाळेत तुमच्या वर्ग
मित्र/मैत्रिणीने विशेष प्राविण्य
मिळवले. त्याबद्दल त्याचे/तिचे
अभिनंदन करणारे पत्र लिहा.

उत्तर: १. विनंती पत्र – (औपचारिक)

दिनांक: १ फेब्रुवारी २०२१

प्रति,

माननीय श्री. रमेश पाटील

आयोजक- सुलेखन कार्यशाळा,

अक्षर पुस्तकालय, राजापेठ,

अमरावती XXXXXX

विषय: ‘मराठी भाषा संवर्धन पंथरवडा अंतर्गत होणाऱ्या सुलेखन कार्यशाळेत प्रवेश मिळण्याबाबत.’

माननीय महोदय,

मी किरणकुमार बेलसरे, रमाई विद्यालयातील इयत्ता दहावीचा विद्यार्थी असून शाळेचा विद्यार्थी प्रतिनिधी या नात्याने आणांस हे पत्र लिहीत आहे. मी आणि माझ्या वर्गातील काही विद्यार्थीमित्र अक्षर पुस्तकालय, राजापेठ, अमरावती आयोजित ‘मराठी भाषा संवर्धन पंथरवडा’ अंतर्गत होणाऱ्या सुलेखन कार्यशाळेत सहभागी होण्यास इच्छुक आहोत. मागच्या सुटीत आपल्या पुस्तकालयामार्फत प्रकाशित ‘सुलेखन – एक कला’ हे पुस्तक आमच्या वाचनात आले होते. त्यातील बारकावे वाचून आम्ही प्रेरित झालो आहोत.



‘सुंदर अक्षर हाच खरा दागिना’ असे म्हटले जाते. आम्हांलाही आमचे अक्षर सुंदर, नीटनेटके व वळणदार करण्याची इच्छा आहे, म्हणून १२ फेब्रुवारी ते २७ फेब्रुवारी या कालावधीत चालणाऱ्या आपल्या सुलेखन कार्यशाळेत आम्हांला सहभागी व्हायचे आहे. माझ्या वर्गातील माझ्यासह एकूण वीस विद्यार्थीची यात सहभागी होण्याची इच्छा आहे.

माझ्या शाळेचा विद्यार्थी प्रतिनिधी म्हणून मी आणणांस विनंती करतो, की माझ्या वर्गातील २० विद्यार्थींना या सुलेखन कार्यशाळेत सहभागी करून घ्यावे.

कळावे,

आपला विश्वासू,
किरणकुमार बेलसरे
विद्यार्थी प्रतिनिधी,
रमाई विद्यालय, ठाकूरनगर,
राजापेठ,
अमरावती XXXXX
abc@xyz.com

किंवा

२. अभिनंदन पत्र – (अनौपचारिक)

दिनांक: २८ फेब्रुवारी २०२१

प्रिय विश्वास,
सप्रेम नमस्कार.

विश्वास सर्वप्रथम तुझे मनापासून अभिनंदन!

अक्षर पुस्तकालय आयोजित सुलेखन कार्यशाळेत शेवटच्या दिवशी झालेल्या कौशल्य चाचणीत तू प्रथम क्रमांकाने उत्तीर्ण झालास त्याबद्दल तुझे खूप खूप अभिनंदन!

अक्षर पुस्तकालयामार्फत राबवले जाणारे सर्वच उपक्रम स्तुत्य असतात. एक अभ्यासपूर्ण आयोजन करणारी संस्था म्हणून ती सर्वपरिचित आहे. अशा संस्थेच्या कार्यशाळेत सहभागी होणे ही खरंच भाग्याची गोष्ट आहे.

लहानपणापासून पाहतोय मी, तुझे अक्षर म्हणजे मोती. हे अक्षर आणखी सुंदर, रेखीव आणि सुबक बनवण्याकरता या सुलेखन वर्गाचा तुला निश्चितच फायदा झाला असेल.

तुझ्या या प्रवासासाठी खूप खूप शुभेच्छा. सुलेखन क्षेत्रात तुझे नाव उज्ज्वल करशील याची खात्री आहे मला. पुन्हा एकदा तुझे अभिनंदन!

तुझा मित्र,
किरणकुमार बेलसरे
२०३, वास्तू विठ्ठल,
ठाकूरनगर, राजापेठ,
अमरावती, XXXXX
abc@xyz.com



मला तर असे वाटत होते, की किती सोपं आहे, चहा बनवण. चहा बनवण्याचा आनंद फारच वेगळा होता. त्यात आईचं डोकं दुखतंय म्हणून मी स्वतः तिला चहा बनवून देत होतो, याचे एक विलक्षण समाधान वाटत होतं. चहाला चांगलाच उकळ आला. चहा तयार झाला हे माझ्या लक्षात आले. आई शांतपणे पडून होती.

चहा देण्यासाठी मी कप बाहेर काढले. फ्रिजमधून काढलेले दूध गरम करत ठेवले. गॅस बंद केला. दोन्ही कपांमध्ये दूध ओतून गाळणीने त्यावर चहा गाळून घेतला.

दोन हातांमध्ये दोन कप घेऊन मी विजयी वीरासारखा आईला चहा घेऊन आलो.

गरमागरम, वाफाळलेला चहा. माझा पहिला पदार्थ आणि मी पहिलाच पदार्थ उत्कृष्ट बनवला म्हणून आईकडून शाबासकी मिळणार. सारे कौतुक करणार. आईला चहाचा कप दिला आणि स्वतःचे कौतुक ऐकण्यासाठी ती कधी एकदा चहाचा घोट घेते हे बघत बसलो.

आईने चहाचा घोट घेतला आणि तोंड वेडेवाकडे करत ती बेसिनकडे पळाली. मला समजेना. काय झाले? मला माझ्या हातातील चहा पिण्याचा धीर होत नव्हता. मी आईला विचारले, “आई, काय झाले गं? चहा कडू झाला का? साखर कमी पडली का?” आई बाहेर आली ती जोरजोराने हसतंच आणि म्हणाली, “अरे वेंधक्या, साखर पडलीच कुठे चहात.” मी म्हणालो, “अगं आई, मी टाकली ना. चांगली दोन चमचे टाकली.” यावर हसून आई म्हणाली, “जरा स्वयंपाकघरात जाऊन बघ. तू साखरेवजी मीठ घातलंस चहामध्ये.”

माझी चांगलीच फजिती झाली होती. मोठ्या उत्साहाच्या भरात साखरेच्या डब्याऐवजी मिठाचा डबा उघडून दोन चमचे मीठ मी चहात घातले होते. मग मात्र हसून हसून आमची पुरेवाट झाली; पण मी बनवलेला पहिला पदार्थ कायम माझ्या आठवणीत राहिला.

इतिहासलेखनः पाश्चात्य परंपरा

प्र.१. (अ) दिलेल्या पर्यायांपैकी योग्य पर्याय निवडून विधाने पूर्ण करा.

१. आधुनिक इतिहास लेखनाचा जनक _____ यास म्हणता येहील.

- (अ) व्हॉल्टेर (ब) रेने देकार्त
(क) लिओपोल्ड रांके (द) कार्ल मार्क्स

२. आर्किंगॉलॉजी ऑफ नॉलेज हा ग्रंथ _____ यांनी लिहिला.

- (अ) कार्ल मार्क्स (ब) मायकेल फुको
(क) लुसिओ फेब्रेर (द) व्हॉल्टेर

३. द्वंद्ववादी विचार प्रणाली _____ याने मांडली.

- (अ) व्हॉल्टेर
(ब) रेने देकार्त
(क) जॉर्ज विल्हेम फ्रेडरिक हेगेल
(द) कार्ल मार्क्स

४. विसाव्या शतकात फ्रान्समध्ये उत्थास आलेल्या _____ मुळे इतिहास लेखनाला एक वेगळीच दिशा मिळाली.

- (अ) अॅनल्स प्रणाली
(ब) द्वंद्ववाद विचारसरणी
(क) स्थीवाद
(द) मार्क्सवाद

५. वर्ग संघर्षाचा इतिहास _____ याने मांडला.

- (अ) कार्ल मार्क्स (ब) मायकेल फुको
(क) लुसिओ फेब्रेर (द) व्हॉल्टेर

उत्तरे:

१. (अ) २. (ब) ३. (क)
४. (अ) ५. (अ)

ब) पुढीलपैकी चुकीची जोडी ओळखा.

१. i. जॉर्ज विल्हेम फ्रेडरिक हेगेल - 'रीझन इन हिस्टरी'
ii. लिओपोल्ड व्हॉनरांके - 'द थिअरी अँड प्रॅक्टिस ऑफ हिस्टरी'
iii. हिरोडोटस - 'द हिस्टरीज'
iv. कार्ल मार्क्स - 'डिस्कोर्स अॅन द मेथड'
२. i. रेने देकार्त - आधुनिक इतिहासाचा जनक
ii. जॉर्ज विल्हेम फ्रेडरिक हेगेल - द्वंद्ववादी विचारसरणी

iii. मायकेल फुको - ज्ञानाचे पुरातत्त्व

iv. कार्ल मार्क्स - वर्ग संघर्षाचा इतिहास

३. i. वैज्ञानिक संशोधन - प्रायोगिक पद्धती

ii. आधुनिक इतिहासलेखन - शास्त्रशुद्ध पद्धती

iii. गॉटिगेन विद्यापीठ - इतिहास विषयाला स्वतंत्र स्थान

iv. अॅनल्स प्रणाली - ब्रिटीश इतिहासकार

उत्तर:

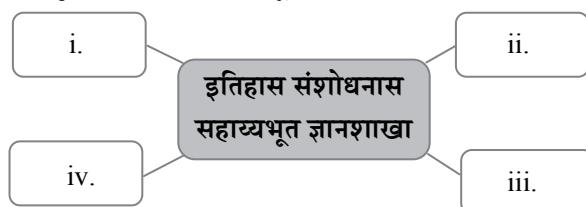
१. चुकीची जोडी: कार्ल मार्क्स - 'डिस्कोर्स अॅन द मेथड'
योग्य जोडी: कार्ल मार्क्स - 'दास कॅपिटल'

२. चुकीची जोडी: रेने देकार्त - आधुनिक इतिहासाचा जनक
योग्य जोडी: रेने देकार्त - डिस्कोर्स अॅन द मेथड

३. चुकीची जोडी: अॅनल्स प्रणाली - ब्रिटीश इतिहासकार
योग्य जोडी: अॅनल्स प्रणाली - फ्रेंच इतिहासकार

प्र.२. (अ) दिलेल्या सूचनेनुसार कृती करा.

१. पुढील संकल्पनाचित्र पूर्ण करा.



उत्तरे:

i. पुरातत्त्व ii. भाषारचना शास्त्र

iii. पुराभिलेख iv. वंशावलीचा अभ्यास

v. अभिलेखागार vi. अक्षरवटिकाशास्त्र

vii. हस्तलिखितांचा अभ्यास viii. नाणकशास्त्र

[टीप: विद्यार्थ्यांनी कोणत्याही चार ज्ञानशाखांची नावे लिहावीत.]

२. पुढील संकल्पनाचित्र पूर्ण करा.



उत्तरे:

i. रेने देकार्त ii. जॉर्ज विल्हेम फ्रेडरिक हेगेल

iii. कार्ल मार्क्स iv. मायकेल फुको

- | | |
|--|---|
| <p>ii. स्वातंत्र्योत्तरकाळात कूळकायदा, कसेल त्याची जमीन इत्यादी शेतीविषयक काही सुधारणांमुळे ही चळवळ संथ झाली होती; मात्र हरितक्रांतीनंतर शेतकरी चळवळ अधिक क्रियाशील व परिणामकारक होऊ लागली.</p> <p>iii. हरितक्रांतीचा हेतू शेतीचे उत्पादन वाढवणे व भारतदेश अन्नधान्याबाबत स्वयंपूर्ण बनवणे हा होता; पण त्याचा फायदा गरीब शेतकऱ्यांना न होता उलट शेतकऱ्यांमध्ये गरीब व श्रीमंत असे वर्ग निर्माण झाले. या असंतोषातून आंदोलनाला सुरुवात झाली.</p> <p>iv. शेतमालाला योग्य भाव, शेतीला उद्योगाचा दर्जा, ‘स्वामीनाथन आयोग’च्या शिफारशींचा स्वीकार, कर्जमाफी, कर्जमुक्ती व राष्ट्रीय शेतीविषयक धोरण या भारतातील शेतकरी संघटनांच्या प्रमुख मागण्या आहेत.</p> <p>v. भारतात ‘शेतकरी संघटना’, ‘भारतीय किसान युनियन’, ‘ऑल इंडिया किसान सभा’ या काही महत्त्वाच्या शेतकरी संघटना आहेत.</p> | <p>ii. चळवळीसमोर निश्चित सार्वजनिक हेतू किंवा प्रश्न असतो. उदा; भ्रष्टाचारविरोधी चळवळीचा हेतू भ्रष्टाचार नष्ट करण्याचा असतो.</p> <p>iii. प्रत्येक चळवळीला नेतृत्व असावे लागते. खंबीर नेतृत्वामुळे चळवळ क्रियाशील आणि परिणामकारक होते. तसेच चळवळीचा हेतू, कार्यक्रम, आंदोलनात्मक पवित्रा इत्यादी बाबतींत निर्णय घेता येतात.</p> <p>iv. चळवळींच्या संघटना असतात. संघटनांमुळे चळवळींना सातत्याने प्रश्नांचा पाठपुरावा करता येतो. उदा. शेतकऱ्यांच्या चळवळीसाठी शेतकरी संघटना काम करते.</p> <p>v. चळवळ ही सामूहिक कृती असल्याने कोणत्याही चळवळींना जनतेचा पाठिंबा आवश्यक असतो. ज्या प्रश्नाभोवती चळवळ निर्माण झाली आहे तो प्रश्न जनतेला आपला वाटणे आवश्यक असते.</p> <p>vi. त्यासाठी निश्चित कार्यक्रम ठरवून त्याआधारे चळवळी जनमताला आकार देण्याचा प्रयत्न करतात.</p> |
|--|---|

३. स्वातंत्र्यपूर्वकाळात स्त्री चळवळी कोणत्या सुधारणांसाठी लढत होत्या?

उत्तर:

- स्वातंत्र्यपूर्वकाळात भारतातील स्त्री चळवळ पुरोगामी पुरुषांच्या पुढाकाराने सुरु झाली.
- स्त्रियांवर होणारा अन्याय, शोषण थांबावे व त्यांना सम्मानपूर्वक जीवन जगता यावे, सार्वजनिक जीवनात सहभागी होता यावे, याकरता या सुधारणा चळवळी सुरु झाल्या.
- स्त्रियांचे स्वातंत्र्य व स्त्रीला माणूस म्हणून दर्जा मिळणे हे प्रमुख विषय या चळवळीच्या केंद्रस्थानी होते.
- ईश्वरचंद्र विद्यासागर, राजा राममोहन रॉय, महात्मा फुले, महर्षी कर्वे या पुरोगामी विचारवंत पुरुषांसोबतच सावित्रीबाई फुले, पंडिता रमाबाई, रमाबाई रानडे अशा स्त्रियांच्या पुढाकाराने सतीप्रथा, बालविवाहासारख्या अनिष्ट रूढींना विरोध, विधवा पुनर्विवाह, स्त्री शिक्षण, स्त्रियांना मतदानाचा अधिकार अशा सुधारणा घडल्या.
(विद्यार्थ्यांनी कोणत्याही दोन समाजसुधारकांची नावे लिहावीत.)

४. चळवळ म्हणजे काय?

उत्तर:

- चळवळ ही एक सामूहिक कृती असते. त्यात अनेक लोकांचा सक्रीय सहभाग अपेक्षित असतो. लोकांच्या विशिष्ट सार्वजनिक प्रश्नाभोवती निर्माण झालेल्या संघटनेतून चळवळ उभी राहते.
उदा. प्रदूषण या एका प्रश्नाबाबत चळवळ उभी राहू शकते.

अचूक पर्याय निवडून विधाने पूर्ण लिहा.



AVAILABLE NOTES FOR STD. X:

(ENG., MAR. & SEMI ENG. MEDIUM)

PERFECT SERIES

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोदः सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्दः संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

PRECISE SERIES

- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोदः सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्दः संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

WORKBOOK

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती

GRAMMAR & WRITING SKILLS

- हिंदी लोकभारती
(Grammar Worksheets with Answers)
- हिंदी (LL) व्याकरण व शब्दसंपदा
- हिंदी (LL) उपयोजित लेखन
- मराठी (LL) व्याकरण-भाषाभ्यास व
उपयोजित लेखन
- मराठी (HL) उपयोजित लेखन
- मराठी (HL) व्याकरण-भाषाभ्यास

ADDITIONAL TITLES FOR STD. X

- SSC Question Papers Set (Eng., Mar. & Semi Eng. Med.)
- आमोदः (सम्पूर्ण-संस्कृतम्) SSC Question Papers Set
- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त), संस्कृत-आनन्दः (संयुक्तम्)
SSC Question Papers Set
- Mathematics Challenging Questions
- Geography Map & Graph Practice Book (Eng. & Mar. Med.)
- Hindi Grammar Worksheets, Grammar books &
Writing Skills books for Marathi & Hindi



Scan the QR code to buy
e-book version
of Target's Notes on Quill -
The Padhai App



Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:

2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15

Website: www.targetpublications.org

Email: mail@targetpublications.org



Explore our range
of STATIONERY

